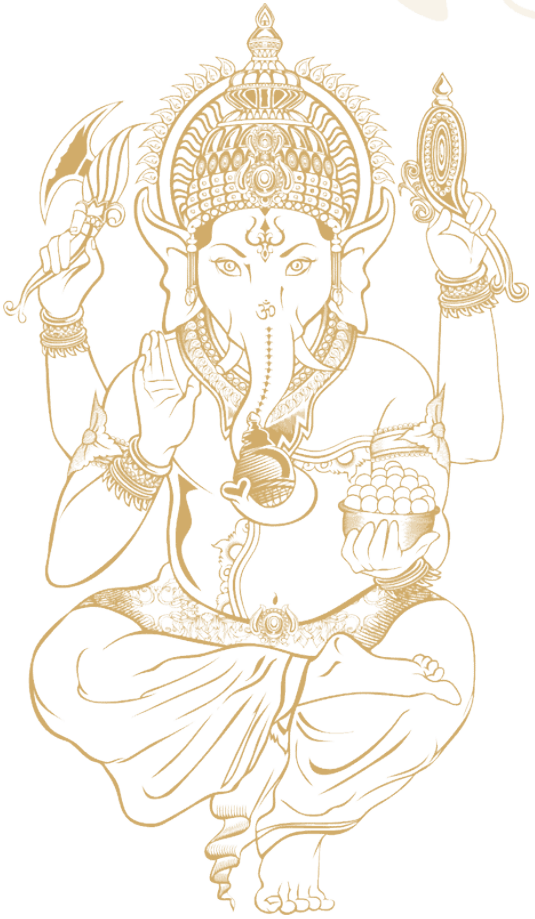

Mr.

11 Dec 1994

09:00 PM

Nainital

Model: web-freekundliweb

Order No: 121044606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/12/1994**
दिन	रविवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	35:08:59 घटी
स्थान	**Nainital**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:23:00 उत्तर
रेखांश	79:27:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:47:48 घंटे
वेलान्तर	00:06:54 घंटे
साम्पातिक काल	02:08:15 घंटे
सूर्योदय	06:56:24 घंटे
सूर्यास्त	17:14:17 घंटे
दिनमान	10:17:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:34:34 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:12:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:12:36	305:43:54	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	25:34:34	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	15:35:00	12:06:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	06:00:43	00:14:29	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	24:11:34	01:34:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	06:41:06	00:12:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र			तुला	14:24:10	00:34:55	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	12:47:20	00:03:17	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	20:34:15	00:01:47	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	20:34:15	00:01:47	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मक	00:34:16	00:03:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:03:23	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	05:00:40	00:02:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	10:32:11	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:22

लग्न-चलित

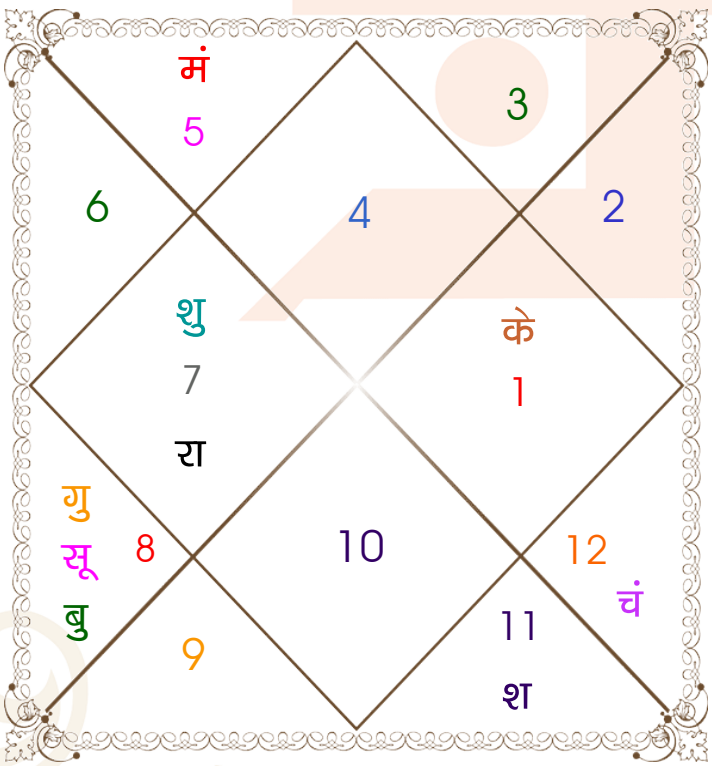

चन्द्र कुंडली

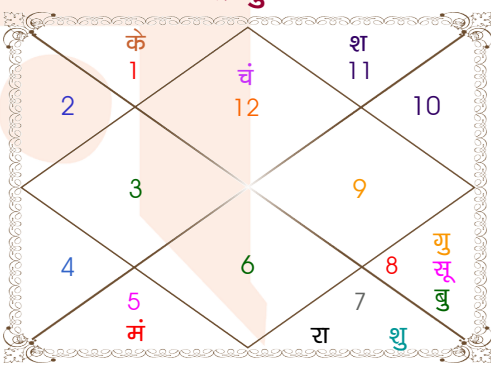

नवमांश कुंडली

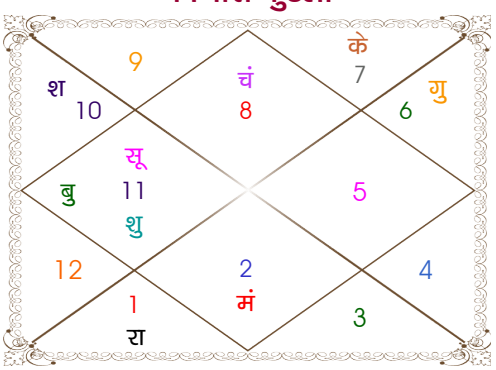

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 6 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/12/1994		27/06/1996		27/06/2013		27/06/2020		27/06/2040	
27/06/1996		27/06/2013		27/06/2020		27/06/2040		28/06/2046	
	00/00/0000	बुध	24/11/1998	केतु	24/11/2013	शुक्र	28/10/2023	सूर्य	15/10/2040
	00/00/0000	केतु	21/11/1999	शुक्र	24/01/2015	सूर्य	27/10/2024	चंद्र	15/04/2041
	00/00/0000	शुक्र	21/09/2002	सूर्य	01/06/2015	चंद्र	28/06/2026	मंगल	21/08/2041
	00/00/0000	सूर्य	28/07/2003	चंद्र	31/12/2015	मंगल	28/08/2027	राहु	16/07/2042
	00/00/0000	चंद्र	27/12/2004	मंगल	28/05/2016	राहु	28/08/2030	गुरु	04/05/2043
	00/00/0000	मंगल	24/12/2005	राहु	15/06/2017	गुरु	28/04/2033	शनि	15/04/2044
	00/00/0000	राहु	12/07/2008	गुरु	22/05/2018	शनि	27/06/2036	बुध	20/02/2045
	11/12/1994	गुरु	18/10/2010	शनि	01/07/2019	बुध	28/04/2039	केतु	27/06/2045
गुरु	27/06/1996	शनि	27/06/2013	बुध	27/06/2020	केतु	27/06/2040	शुक्र	28/06/2046

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/06/2046		27/06/2056		28/06/2063		27/06/2081		27/06/2097	
27/06/2056		28/06/2063		27/06/2081		27/06/2097		12/12/2114	
चंद्र	28/04/2047	मंगल	23/11/2056	राहु	10/03/2066	गुरु	16/08/2083	शनि	01/07/2100
मंगल	27/11/2047	राहु	12/12/2057	गुरु	03/08/2068	शनि	26/02/2086	बुध	11/03/2103
राहु	28/05/2049	गुरु	18/11/2058	शनि	10/06/2071	बुध	03/06/2088	केतु	19/04/2104
गुरु	27/09/2050	शनि	28/12/2059	बुध	27/12/2073	केतु	10/05/2089	शुक्र	20/06/2107
शनि	27/04/2052	बुध	24/12/2060	केतु	15/01/2075	शुक्र	09/01/2092	सूर्य	01/06/2108
बुध	27/09/2053	केतु	22/05/2061	शुक्र	14/01/2078	सूर्य	27/10/2092	चंद्र	31/12/2109
केतु	28/04/2054	शुक्र	22/07/2062	सूर्य	09/12/2078	चंद्र	26/02/2094	मंगल	09/02/2111
शुक्र	28/12/2055	सूर्य	27/11/2062	चंद्र	09/06/2080	मंगल	02/02/2095	राहु	16/12/2113
सूर्य	27/06/2056	चंद्र	28/06/2063	मंगल	27/06/2081	राहु	27/06/2097	गुरु	12/12/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चितता पूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।